②

Anand
DATE :
PAGE NO. :

ऑडियो, विडियो रिकॉर्डिंग एवं कलाकार (विवरण पत्र)

फोल्डर नं:- 10 दिनांक 24|3|2021
ट्रैक नं: -10 स्थान बड़नावा चारणान
ट्रैक समयावधि -
कलाकार का नाम, - (रमजान खान) (गायन - वादन) पिता का नाम - गफूर खांन
पता → लखे की ढाणी, बड़नावा-चारणान बाड़मेर राजस्थान
सहायक कलाकार - (वादय / यंत्र)
1, सफी खां
ऑडियो रिकॉर्डिंग का समय
विषय → काथा → (राजा रिसालु)
विशेष → विवरण →

~~एक~~ यह काथा राजा रिसालु के जीवन पर आधारित है। एक बार एक राजा होता है जो निसंतान होता है। प्रजा उसका मुँह तक नहीं देखती है। तो वह बहुत दुखी होता है। वह पुत्र प्राप्ति की आशा से एक महराज के पास जाता है। महाराज के आशीर्वाद से उसे एक पुत्र (राजा रिसालु) की प्राप्ती होती है। पर दुर्भाग्य से वह उसका चेहरा तक नहीं देख पाता है। और उसे बाहरा साल का वन वास दिया जाता है।

राजा रिसालु प्रराकमी, शुरवीर, तेजस्वी और बहुत बलवान होते है। वह वन वास के लिए निकल जाता है। वह सीयकप राज्य जाता है। सीयकप राजा बोलता है कि हम दोनों युद्ध करते है। अगर मैं हार गया तो तु मेरी बेटी से शादी कर लेना और यदि तु हार गया तो मैं तुझे मार दुंगा. राजा रिसालु उस राजा को पराजित कर देता है। ~~उ~~ और उसकी लड़की से शादी कर लेता है।

राजा रिसालु सावलदे से शादी करके वहा से शहर (कलकता) के लिए निकल जाता है, कलकता के राजा की बेटी के पेट में एक नागिक वास करती है। राजा रिसालु उस नागिन से राजकुमारी को छुटकारा दिलाता है। और उसके साथ अपना दुसरा विवाह करता है।

क्योंकि उसको बारह वर्ष निकालने थे तो वह राज कुमारी से विवाह करके चला जाता है। आगे जाता है तो उसकी मुलाकात एक राक्षस की लड़की से होती है। जो अत्यन्त हसीन होती है। राजा रिसालु उसके साथ कुछ समय बीताते है। और राक्षस की कमजोरी का पता लगते है। अगले दिन, राजा रिसालु राक्षस के साथ युद्ध करके उसे खत्म कर देता है।

और उसकी बेटी (जो बहुत खुबसूरत और जवान थी,) उससे अपना तीसरा विवाह कर लेता है। और थाक के पास जाता है तो देखता है कि थाक (जो कलकता की राजकुमारी थी) सोनार के पास बाजार में बैठी हुई है राजा रिसालु को उनका यह व्यवहार अच्छा नहीं लगा, और उसे छोड़ दिया।

लोटकर राजा रिसालु राक्षस की बेटी के पास गया तो देखता है कि उसका सम्बन्ध किसी सेठ के साथ होता है। राजा रिसालु सेठ को तो मार देता है पर वह उस स्त्री को भी अपने लायक नहीं समझता है वह लोटकर शीघ्रकाा राज्य वापस जाता है। और वहा जो उनकी पेहली पत्नी सावलदे उनका इन्तजार कर रही होती है। और उनके साथ अपना घर बसाता है।

वन वास सम्पुर्ण होने पर सावलदे को राजा रिसालु अपने महल में ले जाता है सावलदे और राजा रिसालु का महल वापस आवगमन पर बहुत स्वागत किया जाता है और राजा रिसालु अपना राज पाठ सम्भालता है।